पाठ: 2 साना–साना हाथ जोडी

प्रश्न- अभ्यास

प्रश्न 1. झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था ?

उत्तर 1 - गंतोक की रात में झिलमिलाते सितारों की रोशनी में बसा एक अद्भुत दृश्य-

1. गंतोक, जो सिक्किम राज्य की राजधानी है, अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ का दृश्य सुबह, शाम और रात को मंत्रमुग्ध करने वाला होता है।
2. रात के समय आकाश कुछ इस तरह से चमकता हुआ दिखाई देता था, जैसे सारे सितारे पृथ्वी पर उतर आए हों और टिमटिमाते हुए आकाश को रोशन कर रहे हों।
3. दूर स्थित ढलान पर सितारों के समूह ने रोशनी की एक सुंदर लकीर की तरह सजीव दृश्य पेश किया।
4. सितारों से भरी उस रहस्यमयी रात में लेखिका को ऐसा महसूस हुआ जैसे उनका समय रुक सा गया हो। वह जैसे आत्महीन हो गईं और एक अदृश्य शून्य में खो गईं।

प्रश्न 2. गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया ?

उत्तर 2 - गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' इसलिये कहा जाता है क्योंकि यहाँ के लोग बहुत मेहनत करते हैं। पहाड़ी इलाका होने के कारण उन्हें पहाड़ों को काटकर रास्ते बनाना पड़ता है। महिलाएं पत्थरों पर बैठकर काम करती हैं, उनके हाथों में कुदाल और हथौड़े होते हैं। कुछ महिलाओं के कंधे पर बच्चों के झूले बंधे रहते हैं, जहाँ वे अपनी मातृत्व जिम्मेदारी के साथ काम करती हैं। यहाँ की महिलाएँ ही रास्ते बनाती हैं और सिर पर लकड़ियों के भारी गठ्ठर उठाती हैं। हरे-भरे बागानों में लड़कियाँ पारंपरिक परिधान पहनकर चाय की पत्तियाँ तोड़ती हैं, और बच्चे भी अपनी माँ के साथ काम करते हैं। इसी कारण गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' कहा जाता है।

प्रश्न 3. कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहरना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है ?

उत्तर- 3

1. सफेद पताकाओं का फहराना: सफेद बौद्ध पताकाएं शांति और अहिंसा का प्रतीक मानी जाती हैं। ये पताकाएं एक निश्चित क्रम में लहराती हैं, जिन पर खास मंत्र लिखे होते हैं। जब किसी बुद्धिस्ट व्यक्ति का निधन होता है, तो उसकी आत्मा की शांति के लिए एक सौ आठ सफेद पताकाओं को एक पवित्र स्थान पर फहराया जाता है। इन पताकाओं को उतारा नहीं जाता, बल्कि वे खुद-ब-खुद नष्ट हो जाती हैं।
2. रंगीन पताकाओं का फहराना: किसी नए काम की शुरुआत में रंगीन पताकाएं लगाई जाती हैं, जो बौद्ध धर्म को मानने वालों द्वारा की जाती हैं। ये पताकाएं नई शुरुआत की खुशी और शुभकामनाओं का प्रतीक होती हैं।

प्रश्न 4. जितेन नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवन के बारे में क्या महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दीं लिखिए।

उत्तर 4 जितेन नार्गे ने लेखिका को कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं:

प्रकृति : सिक्किम एक पहाड़ी क्षेत्र है। यहाँ के स्थानों पर पाइन और धूपी के खूबसूरत और नुकीले पेड़ दिखाई देते हैं। रास्ते संकरे और घुमावदार हैं, जैसे जलेबी के आकार में। यहाँ थोड़ी-थोड़ी दूरी पर झरने बहते हैं, और घाटियों का दृश्य बहुत आकर्षक है।

भौगोलिक स्थिति : गैंगटॉक (गंतोक) से 149 किलोमीटर दूर यूमथांग स्थित है, जहाँ फूलों से ढकी घाटियाँ हैं। रास्ते में 'कवी लोंग स्टॉक' आता है, जहाँ 'गाइड' फिल्म की शूटिंग हुई थी। थोड़ी ऊँचाई पर हिमालय पर्वत दिखाई देता है और रास्ते में 'सेवन सिस्टर्स वाटरफॉल' भी स्थित हैं।

जनजीवन : यहाँ के लोग बहुत मेहनती होते हैं। महिलाएँ और बच्चे सभी मिलकर काम करते हैं। महिलाएँ स्वेटर बुनती हैं, घर का काम संभालती हैं, खेती करती हैं, और पत्थर तोड़कर सड़कें बनाती हैं। वे चाय के बागों में पत्तियाँ चुनने जाती हैं। बच्चे अपनी माताओं के साथ काम करते हैं और पढ़ाई के लिए तीन-चार किलोमीटर की पहाड़ी चढ़ाई चढ़कर स्कूल जाते हैं। उनका जीवन बहुत कठिन और श्रमसाध्य है।

प्रश्न 5. लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक-सी क्यों दिखाई दी ?

उत्तर-5

1. जितेन ने लोंग स्टॉक के घूमते चक्र के बारे में बताया कि यह धर्म चक्र है, और इसे घुमाने से सारे पाप समाप्त हो जाते हैं।
2. लेखिका को महसूस हुआ कि चाहे मैदान हो या पहाड़, तमाम वैज्ञानिक उन्नति के बावजूद इस देश की आत्मा समान है।
3. यहाँ लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास, पाप और पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ एक जैसी ही हैं।

प्रश्न 6. जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं ?

उत्तर- 6

1. एक अच्छे गाइड को उस क्षेत्र की प्राकृतिक और भौगोलिक स्थिति का गहरा ज्ञान होना चाहिए।
2. उसे अपनी बात पर पूरा विश्वास होना चाहिए।
3. वह पर्यटकों को कोई गलत जानकारी न दे, ताकि उनकी यात्रा सुरक्षित और सुखद हो।
4. उसे रास्तों का ऐसा ज्ञान होना चाहिए कि वह घने कोहरे में भी गाड़ी चला सके।
5. वह यात्रा के दौरान पर्यटकों को रास्ते में मिलने वाले दर्शनीय स्थलों के बारे में जानकारी देता रहे।

6. वह पर्यटकों को वहां के जनजीवन और संस्कृति से परिचित कराए।

7. रास्ते में आने वाले हर दृश्य और स्थल की जानकारी वह पर्यटकों को दे, ताकि उनका अनुभव और भी समृद्ध हो।

प्रश्न 7. इस यात्रा - वृत्तांत में लेखिका ने हिमालय के जिन-जिन रूपों का चित्र खींचा है, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर – 7

1. हिमालय को देखना एक अद्भुत अनुभव है, क्योंकि यह हर पल एक नया रूप लेता हुआ प्रतीत होता है। कभी इसे एक कोण से देखा जाता है, तो कहीं और से यह एक अलग रूप में दिखता है।

2. हिमालय कभी घने हरे रंग के विशाल कालीन के समान नजर आता है, तो कभी उसमें हलका पीलापन भी देखने को मिलता है।

3. कभी यह एक पुरानी और उखड़ी हुई दीवार जैसा पथरीला दिखाई देता है, और कुछ ही क्षणों में वह दृश्य बदलकर गायब हो जाता है, जैसे किसी जादू की छड़ी से सब कुछ गायब हो गया हो।

4. कभी यह बादलों की मोटी चादर में लिपटा हुआ नजर आता है, जिससे पूरा वातावरण बादलमय दिखाई देता है।

प्रश्न 8. प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरूप को देखकर श्री को कैसी अनुभूति होती है ?

उत्तर- 8

1. जब लेखिका ने प्रकृति के विशाल और अनंत रूप को देखा, तो उसे महसूस हुआ कि यह समग्र दृश्य जैसे वह खुद में समेट रही हो।

2. लेखिका अपनी आंखों से माया और छाया के अद्भुत खेल को देख रही थी, जैसे चित्रित हो। उसे ऐसा लगा कि प्रकृति उसे जीवन के गूढ़ रहस्यों को समझाकर समझदार बना रही है।

प्रश्न 9. प्राकृतिक सौंदर्य के अलौकिक आनंद में डूबी लेखिका को कौन-कौन से दृश्य झकझोर गए ?

उत्तर 9 - लेखिका ने प्राकृतिक सौंदर्य के अद्भुत आनंद में डूबते हुए कुछ दृश्य देखे, जिन्होंने उन्हें गहरी सोच में डाल दिया:

1. दो विपरीत दिशाओं से आते हुए छाया-पहाड़।

2. पर्वतों, झरनों, फूलों, घाटियों और वादियों के दुर्लभ दृश्य।

3. निरंतर बहते हुए झरने।

4. नीचे की ओर तीव्र गति से बहती तिस्ता नदी।

5. सामने उठती धुंध और ऊपर मंडराते बादल।

6. हल्की-हल्की हवा में प्रियुता और रूडोडेंड्री के फूलों की हलचल देखकर लेखिका को यह एहसास हुआ कि इतने स्वर्गीय सौंदर्य, नदी, फूलों, वादियों और झरनों के बीच जीवन, भूख, मृत्यु और संघर्ष कितना कठिन है।

7. उन्होंने पहाड़ियों को देखा, जो पत्थर तोड़कर संकरे रास्तों को चौड़ा कर रही थीं, और साथ ही मातृत्व व श्रम की साधना कर रही थीं।

प्रश्न 10. सैलानियों को प्रकृति की अलौकिक छटा का अनुभव करवाने में किन-किन लोगों का योगदान होता है, उल्लेख करें।

उत्तर- 10 - प्रकृति की अलौकिक छटा का अनुभव सैलानियों को प्रदान करने में कई व्यक्तियों और समूहों का योगदान होता है। इनमें निम्नलिखित प्रमुख योगदानकर्ता शामिल हैं:

1. स्थानीय गाइड्स: स्थानीय गाइड्स सैलानियों को प्राकृतिक स्थलों की विशेषताओं के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। वे सैलानियों को सटीक मार्गदर्शन और स्थानीय संस्कृति का अनुभव भी कराते हैं।
2. स्थानीय समुदाय: स्थानीय लोग अपने सांस्कृतिक और पारंपरिक तरीकों से सैलानियों को प्राकृतिक स्थलों के बारे में बताते हैं और उनका स्वागत करते हैं। उनका योगदान सैलानियों को सच्चे और प्रामाणिक अनुभव देने में महत्वपूर्ण होता है।
3. पर्यटन मंत्री और सरकार: सरकार और पर्यटन विभाग प्राकृतिक स्थलों के विकास, संरक्षण, और प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए योजनाएं बनाते हैं और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रचार करते हैं।

प्रश्न 11. "कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती हैं।" इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है।

उत्तर 11-

1. आजकल आम आदमी कड़ी मेहनत करता है, लेकिन इसके बावजूद उसे जो हासिल होता है, वह बहुत कम होता है। आज का श्रमिक आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। जैसे एक कारखाने का मजदूर दिन भर मेहनत करता है, कपड़ा बुनता है और कई मीटर कपड़ा तैयार करता है। फिर भी उसे दिनभर की मेहनत के बदले में केवल पचास या सौ रुपये मिलते हैं।

2. इसी तरह, किसान पूरे साल अपनी मेहनत से अन्न उगाता है, लेकिन इसके बदले में उसे क्या मिलता है? फिर भी वह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अपना योगदान देता है।

3. एक कारीगर या मिस्त्री मकान बनाता है, लेकिन बदले में उसे कुछ ही रुपये मिलते हैं। वहीं, जो भव्य और मजबूत इमारतें बनती हैं, वे सालों तक खड़ी रहती हैं।
इस तरह, आम आदमी देश की आर्थिक प्रगति में अपना अहम योगदान देता है।

प्रश्न 12. आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है? इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चहिए ?

उत्तर 12 - आजकल की पीढ़ी स्वार्थी हो गई है और यह प्रकृति के साथ कई तरह से खिलवाड़ कर रही है। इसके कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं:

1. इंसान अपने फायदे के लिए बेरोक-टोक वृक्षों की कटाई कर रहा है, जिससे जंगल खत्म हो रहे हैं। इसके कारण वन्यजीवों की कई प्रजातियाँ संकटग्रस्त हो चुकी हैं और कुछ तो पूरी तरह से विलुप्त हो गई हैं।

2. पानी का गलत तरीके से उपयोग करने के कारण कई क्षेत्रों में जल संकट गहरा रहा है। पीने का पानी भी लोगों को पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहा है।

3. इंसान पहाड़ों को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित कर रहा है, जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है और प्राकृतिक प्रक्रियाएँ, जैसे बर्फ का गिरना, प्रभावित हो रही हैं।

4. नदियों का पानी प्रदूषित किया जा रहा है, और कई स्थानों पर झरनों का पानी इकट्ठा करके पर्यटक स्थल बना दिए गए हैं।

इन सभी कारणों से प्रदूषण की समस्या और बढ़ी है। इसे नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाना जरूरी है:

1. हर व्यक्ति को पेड़ लगाने चाहिए और उसकी देखभाल ऐसी करें जैसे वह उनका अपना बच्चा हो।

2. नदियों में कचरा न डालें।

3. पर्यटक स्थलों की संख्या बढ़ाने से बचें।

4. पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने की कोशिश करें।

प्रश्न 13. प्रदूषण के कारण स्नोफॉल में कमी का जिक्र किया गया है। प्रदूषण के और कौन-कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं, लिखें।

उत्तर 13-

1. प्रदूषण के कारण पर्वतीय क्षेत्रों का तापमान बढ़ गया है, जिससे हिमपात में कमी आई है।

2. प्रदूषण की वजह से हवा और वातावरण प्रदूषित होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप मनुष्य विभिन्न प्रकार की बीमारियों से प्रभावित हो सकता है।

3. ध्वनि प्रदूषण से वातावरण में शांति का भंग होता है, जिससे सुनने में दिक्कतें आ सकती हैं और कानों से जुड़ी कई बीमारियाँ हो सकती हैं।

4. कई बीमार व्यक्ति आराम और इलाज के लिए शांति के स्थानों की तलाश में पर्वतीय इलाकों में जाते हैं, लेकिन प्रदूषण देखकर उन्हें निराशा होती है।

5. प्रदूषण के कारण मनुष्य अब खुशहाल और स्वस्थ जीवन से दूर होता जा रहा है।

प्रश्न 14. 'कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। इस कथन के पक्ष में अपनी राय व्यक्त कीजिए।

उत्तर 14 - 'कटाओ' पर कोई दुकान नहीं होने से यह स्थान अब तक एक वरदान बनकर रह गया है, क्योंकि यह अभी पर्यटकों के लिए एक प्रमुख स्थल नहीं बना। यदि यहाँ दुकानें होतीं, तो लोग इकट्ठा होकर खाते-पीते और गंदगी फैलाते, जिससे आसपास का माहौल और प्रदूषित हो जाता। लेखिका के पास यह एकमात्र ऐसा स्थान था जहाँ उन्होंने स्नोफॉल का आनंद लिया। इसका मुख्य कारण यह था कि यहाँ प्रदूषण नहीं था

प्रश्न 15. प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है ?

उत्तर 15 - प्रकृति ने जल संचय की प्रक्रिया बेहद अद्वितीय तरीके से की है। सर्दियों में यह बर्फ के रूप में जल संचित कर लेती है, और जब गर्मियों में पानी की कमी होने लगती है, तो यह बर्फ धीरे-धीरे पिघलकर नदियों और जलधाराओं में परिवर्तित हो जाती है, जिससे हमारे सूखे कंठों को ताजगी मिलती है। यह सचमुच प्रकृति की जल संचय प्रणाली की एक अद्भुत मिसाल है।

प्रश्न 16. देश की सीमा पर बैठे फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते हैं? उनके प्रति हमारा क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए?

उत्तर 16 - देश की सीमा पर तैनात सैनिक कड़ी चुनौतियों का सामना करते हैं। वहाँ का तापमान माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच सकता है, और ऐसे में वो कड़कड़ाती ठंड में हमारी सुरक्षा का ध्यान रखते हैं, जबकि हम वहाँ कुछ ही मिनट ठहरने की सोच भी नहीं सकते। इन सैनिकों को गर्मी, सर्दी और अन्य मुश्किलों से जूझते हुए भी अपनी जान की बाजी लगाकर हमें चैन की नींद सोने का अवसर मिलता है। सीमा पर तैनाती के दौरान उन्हें न सिर्फ मौसम की कठोरता से बल्कि खानपान की समस्याओं से भी जूझना पड़ता है।

हमें इन जवानों के प्रति हमेशा आभार और समर्थन की भावना रखनी चाहिए। उनके परिवारों के साथ सहानुभूति और स्नेहपूर्ण व्यवहार करना भी हमारा कर्तव्य है।